SA-05

December - Examination 2017

B.A. Pt. III Examination

नाटक तथा व्याकरण

Paper - SA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) शकुन्तला की प्रिय सखियों के नाम लिखिये।

(ii) राजा दुष्यन्त महर्षि कण्व के आश्रम में किस निमित्त से रुके थे?

(iii) महर्षि कण्व का आश्रम किस नदी के किनारे था?

(iv) महर्षि दुर्वासा ने शकुन्तला को क्या शाप दिया था?

(v) वैखानस के अनुसार राजा दुष्यन्त के बाण किस कार्य के लिए हैं?

(vi) मातलि देवराज इन्द्र का क्या संदेश लेकर राजा दुष्यन्त का सम्मुख उपस्थित हुए थे?

(vii) भू धातु लोट लकार उत्तम पुरुष के रूप लिखिये।

(viii) 'मेर्निं' सूत्र का अर्थ लिखिये।

(ix) 'विच्छिन्न' एवं 'उत्सृज्य' में प्रकृति व प्रत्यय बताएँ।

(x) 'आदित्यः' एवं 'शौर्यम्' में प्रकृति व प्रत्यय बताइये।

(खण्ड – ब) $4 \times 10 = 40$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) अधोलिखित श्लोक की हिन्दी में सप्रसङ्ग व्याख्या करें –
सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्य लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।

3) निम्नलिखित श्लोक की संस्कृत में व्याख्या कीजिये –
ययातेरिवशर्मिष्ठा भर्तुर्बहुमता भव।
सुतं त्वमपि सम्राजं सेव पूरुमवाप्नुहि।।

अथवा

उद्गलितदर्भकवलाः मृगाः परित्यक्तनर्तना मयूराः
अपसृतपाण्डुपत्रा मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः।।

4) किसी एक सूक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये –
विवक्षितं ह्यनुक्तमनुतापं जनयति।

अथवा

स्वाधीन कुशलाः सिद्धिमन्तः।

5) शकुन्तला अथवा दुष्यन्त का चरित्र चित्रण कीजिये।

6) निम्न में से किसी एक सूत्र को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये :–
   (i) तण्यत्तण्यानीयरः
   (ii) हलोर्ण्यत्
   (iii) हत्स्वस्य पिति कृति तुक्

7) किन्हीं दो पदों की सूत्र सहित सिद्धि करें –
   कथनीयम्, देयम् त्यक्तं, पाचक

8) निम्न में से किसी एक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिये –
   तिङ् शित् सार्वधातुकम्
   झोऽन्तः
   सार्वधातुकार्धधातुकयोः

9) तद्धित व कृत् प्रत्ययों के मध्य अन्तर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक से कवि की प्रतिभा, कवित्व व नाट्यकुशलता का परिचय मिलता है' इस कथन की समीक्षा करें।

11) निम्न में से किन्हीं चार पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि करें।

   भवथ, बभूव, भविष्यन्ति, भवेमय, अभविष्यः भवानि, भवावः।

12) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक सिद्धि करें –
   दाशरथिः, चाक्षुषं, मामकीनः, चातुर्वर्ण्यम्

13) 'उपमा कालिदासस्य' सूक्ति के आधार पर अभिज्ञान शाकुन्तलम् नाटक की समीक्षा करें।